तापमान
अधिकतम 29.0 डिग्री
न्यूनतम 12.0 डिग्री

हरिभूमि वनांचल भूमि

रायपुर, गुरुवार 1 जनवरी 2026

[बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर]

04 छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ...

04 भाजयुमो ने कोण्डागांव में फूंका पूर्व मुख्यमंत्री ...

खबर संक्षेप

साल के अंतिम दिन न मदिरा छलके न डीजे बजे तिरिया में

जगदलपुर। माचकोट, तिरिया वन क्षेत्र में वन ग्राम तिरिया में शबरी नदी के किनारे युवाओं ने बम्बू राफ्टिंग शुरू किया है। जिसके चलते यह स्थल पर्यटन की दृष्टि से लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के पर्यटक बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। 2025 के अंतिम दिन 31 दिसम्बर को तिरिया में न किसी तरह का मदिरापान किया गया न ही डीजे बजा। जबकि बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। जहां भोजन पकाकर दोस्तों और परिवार के साथ नए साल के पहले जश्न जैसी स्थिति रही। वन समिति ने यहां मदिरा पीने पर 5 हजार रुपए का जुर्माना तय किया है। गेट और पेड़ों पर सूचना लगाई गई है। डीजे भी नहीं बजाने को कहा गया है यही कारण है कि यहां साल के अंतिम दिन किसी तरह का कोई मदिरापान नहीं हुआ।

विक्रेता अदा करेगा वाशिंग मशीन की अतिरिक्त ली गई राशि

जगदलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग जगदलपुर द्वारा मंगलवार को एक प्रकरण में आवेदक को वाशिंग मशीन विक्रेता द्वारा अतिरिक्त प्राप्त की गई भुगतान राशि 1675 रुपए एवं एक्सचेंज की गई पुरानी मशीन की कीमत 1500 रुपए तथा मानसिक पीड़ा हेतु 3000 पृथक से अदा करेगा। यह आदेश आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल, सदस्य आलोक कुमार दुबे और सीमा गोलछा की संयुक्त खंडपीठ ने जारी किया। फोरम

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर निवासी डॉ. एके पांडे द्वारा शहर के महावीर कम्युनिकेशन से एक ऑटोमेटिक वाशिंग मशीन क्रेडिट कार्ड ऑफर के अंतर्गत क्रय की गई थी। जिसका मूल्य आवेदक को कम बताया गया था पर किस्तों का निर्धारण होने पर आवेदक से अतिरिक्त धनराशि प्राप्त की गई थी। वाशिंग मशीन विक्रेता के पास एक्सचेंज की गई पुरानी वाशिंग मशीन की कीमत भी आवेदक को अदा नहीं की गई थी, जिससे क्षुब्ध होकर आवेदक द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष शिकायत पेश की गई। इस पर सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग ने माना कि वाशिंग मशीन विक्रेता द्वारा वाशिंग मशीन की अतिरिक्त राशि वसूल कर तथा पुरानी वाशिंग मशीन की राशि आवेदक को प्रदान न कर सेवा में कमी एवं व्यावसायिक कदाचरण किया गया है। इस हेतु आवेदक कोई मानसिक पीड़ा हेतु 3000 की क्षतिपूर्ति पृथक से अदा किए जाने का आदेश पारित किया गया है।

राजा बंगला और रानी घाट क्षेत्र में मिले बाघ के पगचिन्ह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बचेली

दंतेवाड़ा जिले के बैलाडीला क्षेत्र के राजा बंगला और रानी घाट सेक्शन में बाघों के मौजूदगी के प्रमाण मिले हैं। इन क्षेत्रों को सभी प्रकार के जीव जंतुओं एवं बाघ जैसे मांसाहारी वन्यजीवों के लिए अनुकूल माना गया है। हाल के सर्वेक्षणों, कैमरा ट्रैप और अप्रत्यक्ष संकेतों जैसे पंजों के निशान और खरोंच के निशान से राजा बंगला-रानी घाट वन क्षेत्र में बाघों की गतिविधि के प्रमाण मिले हैं। प्राणी संरक्षण कल्याण समिति का कहना है कि पिछले 3 वर्षों से बाघों के बैलाडीला पहाड़ी में होने के साक्ष्य जुटा रहे थे। 2021 में बाघ के शिकार की पुष्टी हो चुकी है, जिससे यह स्पष्ट होता है की उस इलाके में बाघों की मौजूदगी है। प्राणी संरक्षण कल्याण समिति के अमित मिश्रा नें बताया कि वन्यजीवों की आवाजाही और जैविक विविधता यहां बनी रहती है। सांभर, मूषक हिरण, बार्किंग हिरण (कोडरी), जंगली सूअर, मकैक बन्दर, लंगूर, जैसी शिकार प्रजातियों की उपस्थिति भी बाघों के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करती है। बैलाडीला पहाड़ियों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों द्वारा भी कभी-कभी बाघ दिखने और मवेशियों के शिकार की घटनाओं की जानकारी दी गई है। इसे देखते हुए प्राणी संरक्षण कल्याण समिति एवं वन विभाग ने गश्त बढ़ाने, जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए विशेष कदम उठाने की आवश्यकता बताई है।

बैलाडीला की पहाड़ियों में मौजूदगी के संकेत

जंगल व पहाड़ों के कारण दुर्लभ प्रजातियां भी

प्राणी संरक्षण कल्याण समिति के अक्षय मिश्रा का कहना है कि राजा बंगला और रानी घाट क्षेत्र न केवल बाघों के लिए बल्कि तेंदुआ, भालू, सियार, धारीदार लकड़बग्घा, मूषक हिरण, उड़न गिलहरी, भारतीय विशाल गिलहरी, अति दुर्लभ पेंगोलिन, साही, कई दुर्लभ तथा संकटग्रस्त अति महत्वपूर्ण प्रजाति के पेड़ पौधे जो सिर्फ इन्हीं पहाड़ों मे बचे हुए हैं। दुर्लभ पक्षी प्रजातियों,कई दुर्लभ सरीसृप प्रजातियाँ, तितलियों की प्रजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

सुरक्षा आवश्यक

समिति के मनोज ने बताया की बैलाडीला क्षेत्र में बाघ संरक्षण के लिए स्थानीय समुदाय की भागीदारी, वैज्ञानिक निगरानी और वन गलियारों की सख्त सुरक्षा आवश्यक है।

सफलता : ग्रामीण से की गई थी गत वर्षों में 20 लाख की ठगी

दिल्ली के फर्जी कॉलसेंटर में बस्तर पुलिस की रेड, चार युवती व सरगना गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

एक लाख रुपए जमा किये जाने पर 10 वर्ष बाद रकम दोगुना देने का लालच देकर तरह-तरह के प्रोसेसिंग फीस भुगतान करने के नाम पर लगभग 20 लाख रुपए की ऑनलाइन ट्रांजेक्सन विभिन्न खातो में करवाकर धोखाधड़ी मामले का बस्तर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है।

- जनकपुरी दिल्ली में श्री गणेश सॉल्यूशन के नाम से संचालित था फर्जी कॉल सेंटर का दफ्तर

मामले का खुलासा करते हुए एसपी शलभ सिन्हा ने प्रेसवार्ता में करते हुए बताया कि थाना नगरनार में प्रार्थी कमलोचन कश्यप से लगभग एक वर्ष पूर्व 20 लाख रुपए की ठगी की गई थी। इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 318 (4) बीएनएस, 66 (डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्रार्थी ने बताया कि बीमा अभिकर्ता अंचल हिल के माध्यम से उसने बजाज एलियांज इंश्योरेंश कंपनी लिमिटेड की बीमा पॉलिसी फ्यूचर गेन वर्ष 2020 में लिया था जिसमें एजेंट द्वारा जानकारी दी गई थी कि एकमुश्त एक लाख रुपए जमा किये जाने पर 10 वर्ष बाद रकम दोगुना प्राप्त होगा। इसके बाद लालच देकर तरह-तरह के प्रोसेसिंग फीस भुगतान करने के नाम पर लगभग 20 लाख रुपए की ऑनलाइन ट्रांजेक्सन विभिन्न खातो में करवाकर धोखाधड़ी किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी शलभ कुमार सिन्हा द्वारा एएसपी महेश्वर नाग, सीएसपी सुमित कुमार, डीएसपी साइबर गीतिका साहू के निर्देश में टीम गठित कर विवेचना प्रारंभ किया गया। विवेचना के दौरान सभी खातो की जांच, फर्जी सीम का अवलोकन, संदेही ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण, रकम का एटीएम से निकासी की जानकारी के आधार पर जनकपुरी दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर को लोकेट किया गया। टीम द्वारा आरोपियों के ठिकानों एवं वस्तुस्थिति की जानकारी से एसपी को अवगत कराया गया। जिसके बाद आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीम जनकपुरी दिल्ली रवाना किया गया। टीम के द्वारा विवेचना के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर दिल्ली स्थित ऑफिस की रेकी की गई। रेकी के दौरान आरोपी ओमप्रकाश गुप्ता, कुमारी दक्षा उर्फ नेहा, शिखा गुप्ता, खुशी व कुमारी अंजली चौधरी की पहचान होने पर टीम द्वारा दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया ▶▶| शेष पेज 4 पर

आरोपियों से दस्तावेज किया बरामद

दिल्ली कॉल सेंटर में रेड के दौरान टीम ने आधा दर्जन एंड्राईड मोबाईल, 3 नग आईफोन, विभिन्न बैंको के एटीएम कार्ड, रजिस्टर जिसमें विभिन्न राज्यो के पॉलिसी धारको का डेटा संग्रहित है के अलावा 9 जीएसएम वायरलेस फोन, एयरटेल फाईबर, डीव्हीआर, एचपी कंपनी का लैपटॉप तथा टाटा टियागो कार कॉल सेंटर में मौजूद ठगी मामले के मास्टर माइंड ओमप्रकाश गुप्ता 28 साल निवासी 27 बी गली नंबर 6 विकासनगर, उत्तमनगर थाना रनहोला आउटर दिल्ली के अलावा कुमारी वक्षा उर्फ नेहा 26 साल निवासी सीतपुरी, कुमारी शिखा गुप्ता 22 साल निवासी हॉलपुर विहार विश्वकर्मा मंदिर के पास नजफगढ़ दिल्ली, कुमारी खुशी 21 साल निवासी जी 258 मंगोलपुरी मार्ग वेस्ट दिल्ली तथा कुमारी अंजली चौधरी 22 साल निवासी ए-467 गली नंबर 13 महावीर इंक्लेव से बरामद कर जब्त किया गया। एसपी शलभ सिन्हा ने इंश्योरेंश के लिए किसी भी अनजान कॉल एवं मैसेज पर विश्वास नही करते तथा संबंधित कंपनी के आफिस जाकर तस्दीक करने की अपील की है।

जोश के साथ धरना स्थल पर डटे रहे अधिकारी व कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

मोदी की गारंटी पूरा करने सहित 11 सूत्रीय मांगों के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर किए जा रहे 3 दिवसीय हड़ताल के तीसरे और अंतिम दिवस में भी कर्मचारी, अधिकारी पूरे जोश के साथ धरना स्थल कृषि उपज मंडी परिसर में डटे रहे। बुधवार को धरना स्थल पर उपस्थित कर्मचारियों को फेडरेशन से संबंधित कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी ने प्रांतीय प्रचार मंत्री टार्जन गुप्ता, आरडी तिवारी, रज्जी वर्गिस, नारायण सिंह मौर्य, मानसिंह भारद्वाज, यासमीन श्रीवास्तव, डायमंड साहू, पदमा नायडू, गोपी चंदेल पेंशनर महासंघ के संरक्षक अब्दुल सत्तार ने संबोधित किया। इसी तरह फेडरेशन की मांगों का समर्थन स्वामी आत्मानंद ▶▶| शेष पेज 4 पर

- मोदी की गारंटी को लेकर तीसरे दिन हुई हड़ताल

प्रमुख मार्गों में निकली बाइक रैली

दोपहर को सरकारी कर्मियों ने शहर के प्रमुख मार्गों में बाइक रैली निकाली। रैली कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर कुम्हार पारा वहां से वापस शहीद पार्क होते हुए मेन रोड, गोल बाजार रोड, मिताली चौक, संजय मार्केट, अग्रसेन चौक, गुरु गोविंद सिंह चौक से मुड़कर सीधे कलेक्ट ऑफिस के मुख्य द्वार पर जाकर वहां डिप्टी कलेक्टर बंजारे को फेडरेशन की मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। उसके पश्चात बाइक रैली वापस धरना स्थल पर पहुंची।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की जगह बदली गईः मौर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

एनएमडीसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनने की जगह को परिवर्तित कर चुका है। डिमरापाल में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनकर तैयार हो चुका है तो उसके संचालन से पीछे क्यों है। उक्त बातें शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुशील मौर्य ने बुधवार को पत्रवार्ता में कही। पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि धान खरीदी समाप्त की ओर है, लेकिन खरीदे गए उपज का उठाव नहीं हुआ है। उन्होंने एनएमडीसी नगरनार पर सीएसआर मद के लाभ से ग्राम पंचायतों को वंचित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूछा है कि दो वर्ष पूर्व कांग्रेस सरकार के दौरान एनएमडीसी बराबर सीएसआर मद से ग्राम पंचायतों के विकास के लिए कार्य करता रहा है, पर आज उसे कौन रोक रहा है। बस्तर के ग्राम पंचायतों को उनके हक से दूर करने का कार्य कौन कर रहा है। उन्होंने एनएमडीसी से ▶▶| शेष पेज 4 पर

- सीएसआर मद से ग्राम पंचायतों को किया जा रहा वंचित, विकास कार्य ढप

मिलावटखोरों पर जुर्माना, लैब भेजे गए सैकड़ों नमूने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर संभाग के नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा फूटे चने में इंडसट्रियल कलर और औरामाइन ओ के उपयोग को लेकर जारी अलर्ट के बाद संभाग भर में हड़कंप मच गया है। इस हानिकारक औद्योगिक डाई के इस्तेमाल की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने बस्तर, कांकेर, नारायणपुर समेत सभी जिलों में बड़े व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर दबिश दी है। संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने विशेष जांच के लिए राज्य के बाहर प्रयोग शालाओं में भेजे हैं। बस्तर जिला मुख्यालय में अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा टीम ने न केवल फूटे चने के थोक व्यापारियों के यहां छापेमारी की, बल्कि पनीर, खोवा, फ्रूट केक, टोस्ट और चॉकलेट्स जैसे उत्पादों के भी 13 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। विभाग की सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मोटा और पतले सेव के नमूने अमानक पाए जाने पर न्याय निर्णयन अधिकारी द्वारा संबंधित फर्मों पर 25-25 हजार रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अलावा, मोती मलाई पनीर का नमूना फेल होने पर विधिवत विवेचना शुरू कर दी गई है, जिसे जल्द ही न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। संभाग के अन्य जिले कांकेर में भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क ▶▶| शेष पेज 4 पर

- खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ी कार्रवाई

बस्तर का नया पर्यटन हॉटस्पॉट बना लामनी पार्क

विदेशी सैलानी भी हो रहे आकर्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहर से सटे लामनी पार्क को नए साल और सर्दियों के मौसम में पर्यटकों के लिए के लिए सजाया-संवारा गया है। सेल्फी पाइंट, बैंबू सैटम, कैक्टस गार्डन और बड़ा एवियरी पक्षी विहार पर्यटकों के मुख्य आकर्षण हैं। जिससे हर साल यहां बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं और नए साल में रौनक बढ़ेगी। लामनी पार्क पर्यटकों के लिए हर साल नए साल के आसपास पूरी तरह तैयार किया गया है, जहां प्राकृतिक सुंदरता और विकसित सुविधाओं का मिश्रण मिलता है। हरियाली, शांत वातावरण और मनोरंजन सुविधाओं के कारण एक साल में रिकॉर्ड 3 लाख से अधिक सैलानी यहां पहुंचे। लामनी पार्क इन दिनों बस्तर का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनकर उभरा है। हरियाली, शांत वातावरण और मनोरंजन की सुविधाओं के कारण यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। बच्चों के लिए आकर्षक झूले, परिवारों के लिए खुली जगह और युवाओं के लिए प्राकृतिक सौंदर्य हर वर्ग के लोगों को लुभा रहा है। यह पार्क स्थानीय ही नहीं विदेशी पर्यटकों को भी अपनी ओर खींच रहा है। यही वजह है कि यहां बीते तीन वर्षों में 473 विदेशी पर्यटक भी लामनी पार्क पहुंचे।

- पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाने सजाया-संवारा गया लामनी पार्क

लगातार बढ़ रहे पर्यटक

लामनी पार्क की लोकप्रियता का अंदाजा इसके आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि साल दर साल यहां आने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। परिक्षेत्र अधिकारी देवेन्द्र सिंह वर्मा ने बताया कि यहां बीते तीन वर्षों में 7 लाख से अधिक सैलानी पहुंचे है जो एक रिकार्ड है। पार्क में सबसे ज्यादा रौनक दिसंबर और जनवरी में दिखाई देती है, इसके अलावा यहां छुट्टियों में भी अच्छी भीड़ जुटती है, जो पार्क की बेहतर व्यवस्था और बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है।

सुरक्षा के लिए किया प्रयास

बस्तर जिले के वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि नए साल में पर्यटकों के लिए लामनी पार्क बेलून से सजाया गया है। साथ ही नए साल में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पार्क में स्व-सहायता समूह के 25 एवं 4 गार्ड तैनात किया गया है।

सुकमा जिले के लोगों के लिए बन गया आकर्षण का नया केंद्र

तुंगल बांध इको-टूरिज्म स्थल का नया स्वरूप, शांति-विकास व पर्यटन की नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इसी बदलाव का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है तुंगल बांध इको-टूरिज्म स्थल, जिसे वन विभाग द्वारा विकसित एवं नवीनीकृत किया गया है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण यह स्थल अब आधुनिक सुविधाओं, मनोरंजक गतिविधियों और पारिवारिक वातावरण के साथ सुकमा जिले के लोगों के लिए आकर्षण का नया केंद्र बन गया है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा योजनाबद्ध तरीके से विकसित इस इको-टूरिज्म स्थल का उद्देश्य न केवल पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और क्षेत्र में शांति एवं विश्वास का माहौल मजबूत करना भी है।

- वन विभाग की पहल से पर्यटन को मिला नया आयाम

बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक साइन बोर्ड

इको-टूरिज्म स्थल में वन विभाग द्वारा परिवारों के लिए सुव्यवस्थित और हरे-भरे लॉन विकसित किए गए हैं, जहां लोग बच्चों और बुजुर्गों के साथ बैठकर पिकनिक का आनंद ले सकते हैं। साथ ही बच्चों के लिए वन्यजीवों से संबंधित जानकारी देने वाले आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक साइन बोर्ड लगाए गए हैं, जिनमें स्थानीय वन्यजीव, पक्षी प्रजातियां और जैव विविधता की सरल एवं रोचक जानकारी दी गई है। इससे बच्चों में प्रकृति संरक्षण के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित होगी।

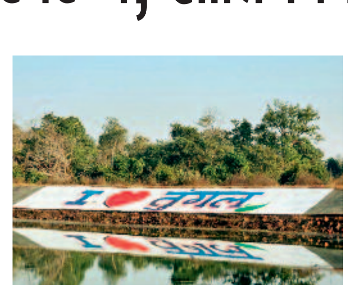

तुंगल नेचर कैफे से मिलेगा स्थानीय स्वाद

पर्यटकों की सुविधा और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां शीघ्र ही तुंगल नेचर कैफे की शुरूआत की जा रही है। इस कैफे में स्थानीय व्यंजन और पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे, जिससे पर्यटक बस्तर की संस्कृति और स्वाद का ▶▶| शेष पेज 4 पर

बोटिंग की नई शुरूआत

नवीनीकरण के पश्चात तुंगल बांध में बोटिंग गतिविधियों की शुरूआत की गई है। पर्यटकों के लिए कयाकिंग, बांस राफ्टिंग तथा पैडल बोट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। शांत जलाशय और चारों ओर फैली हरियाली के बीच ये गतिविधियां रोमांच के साथ-साथ प्रकृति के निकट समय बिताने का अवसर भी प्रदान करती हैं।

धारणा में बदलाव व शांति का संदेश

वन विभाग की इस पहल से आम नागरिकों की सोच में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। यह क्षेत्र कभी भय और असुरक्षा से जुड़ा माना जाता था, वही आज शांति, विकास और पर्यटन का प्रतीक बनता जा रहा है।

रुकने की सुविधाएं और एडवेंचर स्पोर्ट्स

भविष्य में तुंगल बांध क्षेत्र में ठहराव सुविधाएं स्टे फैसिलिटी विकसित करने तथा एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की योजना है। इससे सुकमा के नागरिकों को पर्यटन के लिए अन्य स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और जिले में ही उच्च स्तरीय पर्यटन सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

बदलती पहचान का बना प्रतीक

सुकमा के मंडलाधिकारी अक्षय भोसले ने बताया कि वन विभाग द्वारा विकसित तुंगल बांध इको-टूरिज्म स्थल सुकमा जिले की बदलती पहचान का प्रतीक बन चुका है, जहां अब भय की जगह विश्वास और हिंसा की जगह विकास ने ले ली है। यह पहल सुकमा को पर्यटन मानचित्र पर एक नई और सकारात्मक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

खबर संक्षेप

एसआईआर के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी

कोण्डागांव। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ईआरओ कोंडागांव अजय उरांव द्वारा मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय कोंडागांव में राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 83–कोण्डागांव के अंतर्गत कुल 269 मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को विर्निदिष्ट स्थानों पर किया गया है। इसके तहत 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक मतदाताओं से दावा एवं आपत्तियां ली जा रही हैं। ईआरओ ने जानकारी दी कि इस अवधि में नो मैपिंग से संबंधित 1767 नोटिस जनरेट किए गए हैं, जिन्हें तामिली हेतु संबंधित बीएलओ को भेजा गया है। कोण्डागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नो मैपिंग प्रकरणों की सुनवाई 5 जनवरी 2026 से प्रारंभ होगी। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को फार्म 6, 7 एवं 8 की जानकारी दी गई, साथ ही फार्म 9, 10, 11, 11ए एवं 11बी के प्रारूप भी उपलब्ध कराए गए। प्रतिनिधियों को मतदाता सूची का पुनः अवलोकन कर आवश्यक दावा–आपत्ति प्रस्तुत करने का सुझाव भी दिया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री रश्मि पोया, नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विशेष ग्राम-सभाओं में नए कानून के प्रावधानों पर हुई विस्तृत चर्चा

ग्रामीणों को मिली विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कोंडागांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बयानार में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम 2025 के संबंध में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई के मार्गदर्शन में आयोजित इन सभाओं में ग्रामीणों को इस नए अधिनियम के प्रावधानों, लाभों एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि यह नया कानून मनरेगा का स्थान लेगा, जिसके अंतर्गत अब ग्रामीण परिवारों को 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार अवसर देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

जल संरक्षण एवं आजीविका से जुड़े कार्यों को बढ़ावा

विशेष ग्राम सभाओं में जानकारी दी गई कि अधिनियम के तहत जल संरक्षण, भू–जल पुनर्भरण, वाटरशेड विकास, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, वनीकरण, पारंपरिक जल स्रोतों के जीर्णोद्धार एवं डबरी निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे आजीविका में सुधार के साथ–साथ ग्रामीण अवसंरचना भी मजबूत होगी।

समय पर मजदूरी भुगतान और बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान : अधिनियम में श्रमिकों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके तहत सात दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान की गारंटी तथा समय पर कार्य उपलब्ध न होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान भी शामिल है।

डिजिटल प्रणाली से पारदर्शिता और जवाबदेही

कार्यक्रम में बताया गया कि योजना के क्रियान्वयन में डिजिटलाइजेशन और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। अधिनियम के अंतर्गत श्रमिकों को सात दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान की गारंटी दी गई है। साथ ही निर्धारित समय में काम उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान रखा गया है।

केंद्र-राज्य की संयुक्त वित्तीय व्यवस्था

यह योजना केंद्र प्रायोजित है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी 60:40 के अनुपात में होगी। ग्राम सभाओं के दौरान ग्रामीणों को कौशल विकास और आजीविका के नए अवसरों के प्रति भी जागरूक किया गया।

मांग : तीन दिवसीय हड़ताल को बताया- जायज संघर्ष

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की मांगों को सीपीआई का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ कर्मचारी–अधिकारी फेडरेशन की 11 सूत्रीय मांगों को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया सीपीआई ने खुला समर्थन देते हुए आंदोलन स्थल पर पहुंचकर मंच से केंद्र एवं राज्य सरकार से मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की।

- 120 संगठनों की एकजुटता सरकार को झुकाने के लिए पर्याप्त : तिलक

सी पी आ ई जिला परिषद कोण्डागांव के राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड तिलक, जिला सचिव कामरेड शैलेश, सहायक सचिव कामरेड दिनेश, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के अध्यक्ष कामरेड मुकेश, सदस्य कामरेड रामचंद, सोनसिंह एवं लक्ष्मण 30 दिसंबर को चौपाटी मैदान में चल रहे तीन दिवसीय हड़ताल, आंदोलन स्थल पर पहुंचे। मंच से संबोधित करते हुए कामरेड तिलक ने आंदोलनरत कर्मचारियों–अधिकारियों का लाल सलाम से स्वागत करते हुए कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 120 संगठनों से जुड़े कर्मचारी–अधिकारी एक मंच पर एकजुट होकर संघर्ष कर रहे हैं, जो सरकार को झुकाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने सभी आंदोलनकारियों से एकजुट रहकर अपनी मांगों पर डटे रहने का आह्वान किया।

सरकार की उदासीनता से बाधित हुए शासकीय कार्य

सीपीआई नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार के उदासीन रवैये के कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। तीन दिवसीय आंदोलन से शासकीय कार्य प्रभावित हुए हैं और आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की है।

मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाएगी सीपीआई

सीपीआई ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने फेडरेशन की 11 सूत्रीय जायज मांगों को जल्द पूरा नहीं किया और आंदोलन अनिश्चितकालीन हुआ, तो सीपीआई पूरी मजबूती से कर्मचारी–अधिकारी फेडरेशन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में शामिल होगी।

भाजयुमो ने कोण्डागांव में फूंका पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

भारतीय जनता युवा मोर्चा भाजयुमो कोण्डागांव द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजयुमो नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर सनातन धर्म एवं साधु–संतों के अपमान का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

- कांग्रेस नेताओं पर सनातन धर्म विरोध का लगाया आरोप

भाजयुमो जिलाध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई कांग्रेस नेता लगातार सनातन धर्म के खिलाफ बयान दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा और पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरुद्ध दिए गए बयान कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता को उजागर करते हैं। नागेश देवांगन ने कहा कि रामसेतु को काल्पनिक बताना, भगवान श्रीराम को काल्पनिक कहना तथा राम मंदिर निर्माण के बाद आमंत्रण मिलने के बावजूद गांधी परिवार का दर्शन न करना, कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पं. प्रदीप मिश्रा के प्रवचनों से गांव–गांव में शिवभक्ति का वातावरण बना है, वहीं पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सनातन धर्म को जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।

सनातन विरोध से कांग्रेस का हो रहा पतन

भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि धर्मांतरण को संरक्षण देने वाले लोगों को सनातन धर्म एवं संतों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने सनातन विरोधी रवैये के कारण अब कुछ राज्यों तक सिमट गई है और आने वाले समय में पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

ये रहे उपस्थित

पुतला दहन कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, मनोज जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह चहल, विकास दुआ, अश्वनी पांडे, बंटी नाग, रौनक पटेल, शीतल पटेल, सोनमणि, संतोष सिंह, सखाराम कोर्राम, सुमन शुक्ला, सोनसिंह, सती बघेल सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. ने किया कोंडागांव जिले का वार्षिक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. द्वारा मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को कोंडागांव जिले का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रक्षित केंद्र में परेड का अवलोकन किया और बेहतर टर्नआउट व अनुशासन के लिए अधिकारियों–कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए।

- दरबार लगाकर जवानों से संवाद त्वरित समाधान के निर्देश

रक्षित केंद्र में आयोजित दरबार में पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों एवं जवानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, शिकायतों के शीघ्र समाधान और जनता से मधुर संबंध स्थापित करने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं रक्षित केंद्र की सभी शाखाओं का जायजा लिया गया। अभिलेखों की जांच, सीसीटीवी, मालखाना, सीसीटीएनएस, स्टोर के रख–रखाव तथा स्वच्छता पर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। अपराध नियंत्रण को लेकर भी विशेष समझाइश दी गई। इसके पश्चात पुलिस महानिरीक्षक ने पुनामार्गेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत ग्राम देवखरगांव स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने पुनर्वासित व्यक्तियों से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली।

35 पुनर्वासितों को स्मार्टफोन और प्रशिक्षण किट वितरित

निरीक्षण के दौरान 35 पुनर्वासित व्यक्तियों को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि शासन की मंशा हिंसा का मार्ग छोड़ चुके लोगों को कौशल प्रशिक्षण व योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने रखी योजनाओं की जानकारी

इस अवसर पर कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने पुनर्वास केंद्र में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार से परिवार की आजीविका सुदृढ़ करने का लक्ष्य है। वहीं पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने विभिन्न ट्रेडों में दिए जा रहे कौशल प्रशिक्षण एवं योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान पुलिसिंग की गुणवत्ता, जन–संवेदनशीलता और पुनर्वास की दिशा में ठोस कदमों को लेकर सकारात्मक संदेश गया।

बाजार भाव से कहीं अधिक दर पर मक्का खरीदी

कोकोड़ी एथेनॉल प्लांट से किसानों की आय में बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

माँ दंतेश्वरी मक्का सहकारी समिति कोण्डागांव द्वारा संचालित एथेनॉल प्लांट कोकोड़ी क्षेत्र के शेयरधारक किसानों के लिए आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। प्लांट से जुड़े किसानों को मक्का विक्रय पर बाजार मूल्य की तुलना में 700 से 800 रुपये प्रति क्विंटल तक अतिरिक्त लाभ मिल रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

- शेयरधारक किसानों को मक्का विक्रय पर मिल रहा 800 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त लाभ

एथेनॉल प्लांट द्वारा शेयरधारक किसानों से प्राथमिकता के आधार पर मक्का की खरीदी की जा रही है। वर्तमान में खुले बाजार में मक्का का भाव 1600 से 1700 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि एथेनॉल प्लांट कोकोड़ी द्वारा 2400 रुपये प्रति क्विंटल की आकर्षक दर पर मक्का खरीदा जा रहा है। इससे किसानों को सीधे तौर पर 800 रुपये प्रति क्विंटल तक का अतिरिक्त लाभ मिल रहा है।

40 क्विंटल मक्का पर 32 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

अतिरिक्त लाभ का सीधा असर किसानों की आमदनी पर दिखाई दे रहा है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई किसान 40 क्विंटल मक्का विक्रय करता है, तो उसे बाजार मूल्य की तुलना में लगभग 32 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बन रही है।

203 किसानों को 1.45 करोड़ रुपये का भुगतान

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अब तक 203 शेयरधारक किसानों को लगभग 1.45 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है और मक्का खरीदी की प्रक्रिया लगातार जारी है। इस मॉडल का उद्देश्य किसानों को सहकारी व्यवस्था से जोड़कर उनकी आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करना है।

खेती के साथ बढ़े रोजगार के अवसर

एथेनॉल प्लांट के संचालन से न केवल किसानों को स्थायी बाजार और बेहतर मूल्य मिला है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। इस पहल से कोण्डागांव जिले के कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ है।

शिक्षिका ने जन्मदिन पर बच्चों के साथ बांटी खुशियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिला कोंडागांव अंतर्गत ग्राम बुनागांव के शासकीय जनपद प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका मोनिका साहू ने अपने जन्मदिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए विद्यालय परिवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, अभिभावकों एवं बच्चों के साथ न्योता भोजन का आयोजन किया। इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। शिक्षिका मोनिका साहू ने बच्चों के साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में यह उनका पहला जन्मदिवस है और बच्चों का स्नेह व अभिभावकों का आशीर्वाद पाकर उन्हें अपार खुशी मिली है। न्योता भोजन के दौरान बच्चों को मटर–पनीर, खीर–पूड़ी एवं मिष्ठान परोसा गया। लजीज और पौष्टिक भोजन पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अभिभावक माताओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर शिक्षिका को जन्मदिवस की बधाई दी और इस पहल के लिए आभार जताया। शिक्षक सूरज नेताम ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी न्योता भोजन योजना विद्यालयों में अत्यंत कारगर सिद्ध हो रही है। इससे बच्चों को पोषणयुक्त आहार मिल रहा है, कुपोषण में कमी आ रही है और विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति शत–प्रतिशत बनी रहती है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में यह 16वां अवसर है जब विद्यालय में न्योता भोजन कराया गया।

- बुनागांव स्कूल में कराया गया स्नेहिल न्योता भोजन

अभिभावकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में शिक्षक रूपेश कल्लो, शिक्षिका की माताजी अन्नपूर्णा साहू, बहन वैष्णवी साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कमलेश्वरी नेताम, बालमती नेताम सहित बड़ी संख्या में अभिभावक माताएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरणादायी बताया। विद्यालय में मनाया गया यह स्नेहिल जन्मदिवस बच्चों के लिए यादगार बन गया और शिक्षा के साथ संवेदनशीलता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

पेज 3 के शेष

दिल्ली के फर्जी ....

गया। आरोपियो को विधिवत गिरफ्तार कर जिला बस्तर लाया गया एवं न्यायिक रिमाण्ड के लिए न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में निरीक्षक दिलबाग सिंह, गौरव तिवारी, टीआई नगरनार संतोष सिंग, एसआई अमित सिदार, सतीश यदुराज, आरक्षक गौतमचंद सिंहा, महेन्द्र पटेल व भूपेन्द्र नेताम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जोश के साथ ...

संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ ने भी किया। छत्तीसगढ़ मंत्री परिषद की बैठक भी थी, जिसमें फेडरेशन ने आशा व्यक्त की थी कि सरकार हड़ताल का गतिरोध समाप्त करते हुए कर्मचारियों के हित में कुछ फैसला लेगी। घोर निराशा हुई, जिसे देखते हुए फेडरेशन की आगामी प्रांतीय बैठक में हड़ताल की समीक्षा करते हुए शीघ्र ही अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की जाएगी। इस धरना प्रदर्शन के दौरान संभाग प्रभारी कैलाश चौहान, बस्तर जिला संयोजक गजेंद्र श्रीवास्तव, प्रांतीय प्रचार मंत्री टार्जन गुप्ता, देवराज खूंटे, गणेश्वर नायक, आनंद कश्यप, देवदास कश्यप, राकेश दुबे, उमाशंकर ठाकुर, योगेंद्र कश्यप, संजय चौहान, आरपी मिश्रा, उदय किशोर पांडे, श्रीमती आशा दान, पूर्णिमा कोर्राम, कंचन नाग आदि पदाधिकारी शामिल रहे।

सुपर स्पेशलिटी ....

तत्काल सीएसआर मद से ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों हेतु राशि जारी करने की मांग रखी है। पत्रवार्ता में महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, महामंत्री अभिषेक नायडू, जाहिद हुसैन, युंका अध्यक्ष निकेत राज झा, संतोष सेठिया, सुषमा सुता, ललिता राव आदि मौजूद रहे।

वेंटिलेटर में स्वास्थ्य विभाग : युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता जावेद खान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग वेंटिलेटर में है। नेतानार के चित्तलगुर पंचायत गुढ़ियापदर ग्राम की एक मरीज को विगत दिनों एंबुलेंस नहीं मिलने की वजह से परिजनों द्वारा मरीज को चारपाई पर लेटा कर मीलों सफर करने मजबूर ग्रामीणों के वायरल विडियो का हवाला दिया। उन्होंने सवाल किया है कि क्या प्रभारी मंत्री के रूप में इस वीडियो के वायरल होने के बाद विभाग की समीक्षा बैठक ली। पीड़ति की सुध लेने में दिलचस्पी दिखाई होती तो आज परिस्थितियां कुछ और होतीं।

मिलावटखोरों पर ...

है। यहां खाद्य सुरक्षा विभाग ने फूटे चने के स्टॉक को जब्त कर लिया है और यह पता लगाया जा रहा है कि यह जहरीला चना कहां से आयात किया गया था। कांकेर से जब्त नमूनों को औरामाइन ओ की विशेष जांच के लिए राज्य के बाहर भेजा गया है। दिसंबर माह में कांकेर से कुल 10 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और 6 कारोबारियों को नमूने फेल होने पर नोटिस थमाया गया है।

चना हरियाणा तो चाकलेट के सैंपल गुजरात जांचने भेजा : नारायणपुर और कोंडागांव जिलों में भी यह अभियान जोर-शोर से चल रहा है। नारायणपुर से फूटे चने के विधिक नमूने जांच के लिए गुरुग्राम हरियाणा स्थित नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड भेजे गए हैं, जबकि चॉकलेट के निगरानी नमूने सूरत गुजरात की प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। कोंडागांव में भी कन्फेक्शनरी विक्रेताओं और अन्य प्रतिष्ठानों से मोमोस, उसना चावल और धुली उड़द दाल के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिलों में चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ने मौके पर ही सैकड़ों खाद्य पदार्थों की जांच की। दंतेवाड़ा में 60, सुकमा में 45, बीजापुर में 25 और बस्तर में 53 नमूनों की तत्काल जांच की गई, जिसमें गड़बड़ी पाए जाने पर कई जगह खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया।

होटल संचालकों को सख्त हिदायत : प्रशासन ने आम जनता और छोटे व्यापारियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ठेले, गुमटी और होटल संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे खाद्य सामग्रियों को अनिवार्य रूप से ढककर रखें। और नाश्ता देने के लिए साफ प्लेट या दोने का उपयोग करें। साथ ही, खुली मिठाइयों और खाद्य पदार्थों को मक्खियों से बचाने के लिए जाली या नेट का प्रयोग करने और मिठाई की ट्रे पर निर्माण व एक्सपायरी तिथि लिखने का आदेश दिया गया है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे खाद्य गुणवत्ता के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध मिलावट की सूचना तत्काल विभाग को दें।

तुंगल बांध इको-टूरिज्म ...

अनुभव कर सकेंगे।

स्वयं सहायता समूहों को सौंपी गई जिम्मेदारी: इस इको-टूरिज्म स्थल का संचालन आत्मसमर्पित एवं नक्सल प्रभावित परिवारों से गठित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को सौंपा गया है। यह पहल सामाजिक पुनर्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा यह दशार्ती है कि क्षेत्र में नक्सलवाद अब अंतिम सांसें गिन रहा है।

खेल, संस्कृति और सहभागिता से गांव में उमड़ा उत्साह

दाड़िया में वार्षिक उत्सव 2025 का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिला कोंडागांव अंतर्गत ग्राम दाड़िया के स्कूल मैदान में कर्मचारी अनुदान समिति एवं ग्रामीण युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक उत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। ग्राम विकास में भागीदारी एक प्रयास कर्मचारियों की ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस उत्सव में खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे गांव को उत्साह से भर दिया।

- कर्मचारियों और युवाओं की एकजुटता बनी ग्राम विकास की मिसाल

ग्रामीण खेल प्रतियें आंगनबाड़ी, प्राथमिक व माध्यमिक शाला के बच्चों से लेकर 70–85 वर्ष तक के बुजुगोंर् ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनभर चले आयोजनों में 50 व 100 मीटर दौड खो–खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, मटका फोड़ गोला फेंक, सुरेली कुर्सी और रस्सा खींच जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। 40–50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं ने पारंपरिक साड़ी में खो–खो और कबड्डी खेलकर नारीशक्ति की सशक्त और प्रेरणादायी तस्वीर पेश की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने बस्तरिया, छत्तीसगढ़ी एवं पारंपरिक लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं, कोंडागांव के जादूगर किसलय साहू के जादुई करतबों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कर्मचारी अनुदान समिति की सराहनीय पहल

समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार शार्दुल ने बताया कि वर्ष 2016 से गठित कर्मचारी अनुदान समिति–दाड़िया के माध्यम से गांव के कर्मचारी मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीब बच्चों की सहायता, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, उच्च शिक्षा सहयोग और आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता जैसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर कर रहे हैं।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, उमरगांव सरपंच रूपती मरकाम, उपसरपंच ललित मरकाम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य खेमचंद नेताम सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आईडीबीआई बैंक कोंडागांव एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा रायपुर के अधिकारियों ने भी सहभागिता निभाई और विजेताओं को पुरस्कृत किया।

दाड़िया बना जिले के लिए प्रेरणा

लगभग 115 परिवार और 600 की जनसंख्या वाले ग्राम दाड़िया से सेना, पुलिस, वन सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, एनएमडीसी सहित विभिन्न क्षेत्रें में सैकड़ों अधिकारी–कर्मचारी देश–सेवा में जुटे हैं। वषांत पर गांव लौटकर ऐसे आयोजन कर वे एकता और ग्राम विकास की मिसाल पेश करते हैं। ग्रामीण युवा संगठन एवं कर्मचारी अनुदान समिति की यह पहल जिले में ग्राम दाड़िया को सामूहिक सहभागिता और विकास का आदर्श बनाती है।

खबर संक्षेप

हड़ताल के तीसरे दिन आत्मानंद संविदा शिक्षकों का मिला समर्थन

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला बस्तर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन का आयोजन मंडी परिसर में किया गया, जहां हड़ताल के तीसरे दिन कर्मचारियों एवं शिक्षकों की बड़ी और सशक्त उपस्थिति देखने को मिली। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी राहुल कुमार पाण्डेय ने संघ की ओर से धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को पूर्ण समर्थन प्रदान किया। पाण्डेय ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक टकराव के लिए नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और अधिकार की मांग को लेकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा दी गई मोदी की गारंटी तभी वास्तविक रूप से पूरी मानी जाएगी, जब जमीनी स्तर पर कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वामी आत्मानंद विद्यालयों को संचालित हुए 5 वर्ष से अधिक हो चुके हैं, लेकिन इस पूरी अवधि में संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के वेतन में आज तक कोई वृद्धि नहीं की गई है, जबकि महंगाई, पारिवारिक जिम्मेदारियां और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद शिक्षक एवं कर्मचारी पूरे समर्पण के साथ शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ अपनी 12 सूत्रीय मांगों को पिछले दो वर्षों से लगातार शासन एवं प्रशासन के समक्ष संवैधानिक और शालीन तरीके से रखता आ रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश अब तक उन मांगों पर कोई ठोस निर्णय या सकारात्मक पहल नहीं हुई है, जिससे शिक्षकों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। धरना स्थल पर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष हेमांगिनी पाण्डेय ने कहा कि संविदा शिक्षक वर्षों से असुरक्षा और अनिश्चित भविष्य के बीच कार्य कर रहे हैं, जबकि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सरकार से मांग की कि संविदा शिक्षकों को सेवा सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान प्रदान किया इस धरना प्रदर्शन में बस्तर जिले के विभिन्न स्वामी आत्मानंद (सेजस) विद्यालयों से शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विशेष रूप से सेजस अलनार, सेजस दरभा, सेजस करितगांव, सेजस चिंगपाल, सेजस किलेपाल सहित जिले के अन्य सेजस विद्यालयों से आए शिक्षक-कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता ने आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

अवकाश के कारण 3 जनवरी की परीक्षा स्थगित

जगदलपुर। तीन जनवरी को मां शाकंभरी जयंती एवं छेरछरा को लेकर सार्वजनिक अवकाश के कारण उस दिन शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की समस्त कक्षाओं की सेमेस्टर परीक्षा स्थगित किया गया है। इस तारीख की परीक्षा अब 4 फरवरी को आयोजित होगी।

वार्षिक परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन आज से

जगदलपुर। सत्र 2025-26 के वार्षिक परीक्षा के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने ऑनलाईन आवेदन की तारीख तय कर दी है। इसके लिए विद्यार्थी एक जनवरी से 15 जनवरी तक विवि के वेबसाईट से परीक्षा फार्म ऑनलाइन कर सकते हैं। जारी सूचना के अनुसार स्नातक भाग दो के प्राइवेट व पूरक अंतिम अवसर, स्नातक भाग तीन के रेगुलर, प्राइवेट, भूतपूर्व व पूरक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के स्टूडेंट्स वार्षिक परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रिंट कॉपी आवश्यक दस्तावेज के साथ संबंधित कॉलेज में 16 जनवरी तक जमा लिए जाएंगे।

बाल-विवाह मुक्त समाज की ओर जैतालुर कोदई माता-मेला में चला जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

कलेक्टर संबंधित मिश्रा के निर्देशन में ग्राम पंचायत इटपाल के जैतालुर कोदई माता मेला परिसर में बाल-विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से बाल-विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों की जानकारी आमजन को दी गई तथा बाल अधिकारों, किशोर-किशोरियों के स्वस्थ भविष्य तथा कानूनन प्रावधानों से जनता को अवगत कराया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बाल-विवाह प्रतिबंध अधिनियम की जानकारी, बाल विवाह के कानूनी परिणाम, बालिकाओं के शिक्षा-अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी लाभकारी योजनाओं की रूपरेखा तथा सरकारी प्रयासों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही ग्रामीण समुदाय, अभिभावकों, महिला समूहों एवं युवाओं से बाल-विवाह न कराने एवं बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि बाल-विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। अतः समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह बाल-विवाह उन्मूलन में सहयोग प्रदान करे। मेले में आए ग्रामीणों, महिलाओं, किशोर-किशोरियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अभियान के प्रति सकारात्मक रुझान दर्शाते हुए बाल-विवाह मुक्त समाज के निर्माण हेतु पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने किया हड़ताल

रैली निकाल किया जंगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपालपटनम

प्रदेश के सबसे बड़े संगठन अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रांत संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर के समस्त कर्मचारी 29 से 31 दिसंबर तक 3 दिवसीय निश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। बीजापुर में भी चारों विकासखंड में कर्मचारी हड़ताल पर हैं जिसके संबंध में मांग पत्र

- **मुख्यमंत्री के नाम 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा**

ज्ञापन जिला संयोजक केडी राय, जिला अध्यक्ष मो. जाकिर खान, वन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष विश्वनाथ मांझी, लिपिक संघ प्रमुख महेन्द्र राणा, मासाराम कड़ियाम, सचेता मिंज, वाहन चालक संघ प्रमुख कुर्रे, चतुर्थ वर्ग संघ के मोतीराम एवं अन्य साथियों के नेतृत्व में 11 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री छग शासन एवं मुख्य सचिव के नाम जिला कलेक्टर बीजापुर के माध्यम से संगठन के पदाधिकारियों सहित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर नारायण प्रसाद गबेल को सौंपा। संघ द्वारा पूर्व में 18 जून 2025 को मोदी की गारंटी के नाम पर कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा को लागू करने हेतु ध्यानाकर्षण ज्ञापन सौंपा गया था।

दूसरे चरण में 1 दिवसीय धरना प्रदर्शन सभी जिला मुख्यालय में किया गया लेकिन मांगों के सम्बन्ध में निराकरण नहीं होने के कारण क्षुब्ध होकर प्रदेश में पुनः 3 दिवसीय हड़ताल की घोषणा की एवं ध्यानाकर्षण ज्ञापन सौंपने का प्रांतीय पदाधिकारियों ने निर्णय लिया। जिसके परिपालन में भोपालपटनम में कर्मचारियों ने ब्लॉक संरक्षक ए सुधाकर, अध्यक्ष कमलसिंह कोर्राम, शेख मकबूल, संदीप राज पामभोई, एटला श्रीनिवास, मंडावी सर, नक्का कृष्णा, डी.देस के नेतृत्व में रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी यशवंत नाग को सौंपा।

रैली में छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बीरा राजबाबू, संगठन सचिव मनोज कोंड्रा,राजस्व पटवारी संघ जिला अध्यक्ष शंकरलाल कतलाम, पंचायत सचिव संघ जिला अध्यक्ष डी.माधवराव, फेडरेशन की महिला उपाध्यक्ष रेशमा गोड्डे सम्मिलित हुए। रैली से पूर्व धरना स्थल पर जिले से पधारे नेतृत्व का उद्बोधन हुआ जहां पर कर्मचारी भवन निर्माण के लिए बीरा राजबाबू द्वारा 5 हजार, कतलाम द्वारा 2 हजार, रेशमा ने 1500 और माधव ने 1 हजार सहयोग राशि देने की मंच से घोषणा की। 11 सूत्रीय मांग में छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्रीय कर्मचारियों की भांति देय तिथि से मंहगाई भत्ता तथा पेंशनरों को महंगाई राहत दिया जावे व डीए एरियर्स की राशि जीपीएफ खाते में समायोजित किया जावे। केंद्रीय कर्मचारियों एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के कर्मचारियों की भांति सेवानिवृत्ति पर छत्तीसगढ़ शासन के कर्मचारियों को भी 240 दिन के स्थान पर 300 दिन का अवकाश नगदीकरण आदेश जारी किया जाए। संविदा, दैनिक, कार्यभारित, अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे तथा मध्यप्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जावे।

प्रदेश के सभी संवर्गों के अधिकारी कर्मचारियों को सेवाकाल में 4 स्तरीय वेतनमान संबंधी आदेश शीघ्र जारी किया जावे। प्रदेश के सहायक शिक्षकों को वेतन विसंगति दूर किया जावे। शिक्षक लिपिक सहित विभिन्न संवर्गों के वेतन विसंगति दूर करने हेतु गठित समिति का प्रतिवेदन यथाशीघ्र प्रकाशित कर लागू किया जावे। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए शिक्षक एलबी संवर्ग को समस्त सेवा का लाभ दिया जावे। उत्तर प्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारियों एवं पेंशनरों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा एवं बोनस दिया जाए। प्रदेश के अनुकंपा नियुक्ति की 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करते हुए अनुकम्पा नियुक्ति के सभी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति किया जाए, कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति 65 वर्ष की जाए, भाजपा शासित अन्य राज्यों की भांति छत्तीसगढ़ में भी कैसलेस सुविधा दी जाए जैसे कर्मचारी हित के मुद्दे शामिल हैं। आगामी दिनों में उक्त मांगों पर साकारात्मक पहल नहीं होने की दशा में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा होना संभावित है।

खुली नाली पर प्लेट लगाने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के सामने खुली नाली को लेकर लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने नाली पर प्लेट लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। खुली नाली के कारण आम नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को आवागमन में परेशानी न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए त्वरित समाधान किया जा रहा है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, आम नागरिक और राहगीर चाय-नाश्ता व भोजन के लिए आते-जाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से नाली पर प्लेट लगाना आवश्यक था। अब कार्य शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्लेट लगने के बाद दुर्घटना की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए नागरिकों ने कहा कि समय रहते उठाया गया यह कदम किसी बड़ी दुर्घटना को टालने में मददगार साबित होगा। सीएमओ नगरपालिका बीजापुर बंशीलाल नुरेटी ने दिया बताया कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगाए ताकि क्षेत्र में सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।

सड़क हादसा...

भानपुरी। राष्ट्रीय राजमार्ग में साल के आखरी दिन देर शाम भानपुरी चौक में तेज रफ्तार पिकअप और कार के टक्कर के बाद डिवाइडर से टकराकर पिकअप वाहन पलट गया।

मसीह समाज ने गरीबों को दिया क्रिसमस गिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

क्रिसमस का पर्व अत्यंत खुशी उत्साह धूमधाम से मसीह विश्वासियों के मनाने के पश्चात क्रिसमस के कार्यक्रम के अनुरूप क्रिसमस गिफ्ट का महापर्व कहलाता है और इस खुशी के अवसर पर गिफ्ट देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

- **कंबल, स्वेटर, साड़ी, कपड़ा शीतऋतु को देखते हुए दिए गए**

मसीह समाज ने भी अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए आज साल के अंत में चंदैया मेमोरियल मेथोडिस्ट एपिस्कोपल लाल चर्च की महिला समिति ने इस गिफ्ट की बागडोर को संभाला। इसमें पुवर फंड कमेटी के माध्यम से समिति अध्यक्षा कल्पना जान और उनके सदस्यों द्वारा मसीह समाज के गरीब, बेवा, अशक्त लाचार, विकलांग, अनाथ सदस्यों को यथा स्थिति उनकी आवश्यकता के अनुसार कंबल, स्वेटर, साड़ी, कपड़ा उनकी दैनिक आवश्यकता अनुरूप सामग्रियों को बांटकर उनके साथ क्रिसमस की खुशियों में शरीक करते हुए सामाजिक रूप से उनका भी सम्मान किया। उनके साथ बैठकर भोजन ग्रहण भी किया ताकि वे सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ आम आदमी का साथ उनको मिल रहा है यह भावना भी उनके मन में बनी रहे। इस अवसर पर प्रभु के सेवक प्रभु के दासों पॉस्टरगणों मसीह समाज के प्रमुख पदाधिकारी के साथ प्रमुख रूप से चर्च संचालन समिति अध्यक्ष प्रवीण लाल, बिशप एस सुना, रेव्ह. लॉरेंस दास, बस्तर एपिस्कोपल सोसायटी मिशन समिति के अध्यक्ष जोयल बेचक, छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम के प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश बेंजामिन भी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रमिला सेप्ती ने किया, इसमें महिला समिति सोशल की पुवर फंड समिति सदस्या शिखा नादन, बिंदु जॉन, उमेश्वरी सिंह, सलीमा दानी, वेरोनिका दानी, एलिस अग्रवाल आदि सम्मिलित रहीं।

कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

कलेक्टर संबित मिश्रा ने मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 10 वर्ष या उससे अधिक समय से निष्क्रिय डेफ अकाउंट का शीघ्र निराकरण करते हुए संबंधित राशि शासन के खाते में जमा कराने तथा इसकी जानकारी जिला कोषालय अधिकारी को देने के निर्देश दिए।

बैठक में नियद नेल्लानार योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। योजना अंतर्गत शामिल गांवों में सैचुरेशन शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे- राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाता, जाति प्रमाण पत्र आदि निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराते हुए पात्रतानुसार शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नक्सल पीड़ति परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी आवश्यक दस्तावेज सहजता से उपलब्ध कराने तथा शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने उज्वला योजना, श्रम कार्ड, एग्रीस्टेक में पंजीयन तथा तेंदूपत्ता संग्राहकों के बैंक खाते खुलवाने हेतु आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त धान उपार्जन प्रक्रिया के अंतर्गत बारदाना की उपलब्धता, रकबा समर्पण, धान की राशि का अंतरण आदि विषयों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रगति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त प्रधान पाठक की आत्मीय विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

अर्धवार्षिकी पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त हुए प्रधान पाठक बलराम राना को जिला कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर संबित मिश्रा ने आत्मीय विदाई दी।

इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने राना के दीर्घकालीन एवं कुशलतापूर्ण सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके आगामी जीवन के लिए उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारी को पेंशन प्रमाण पत्र भी भेंट किया।

विदाई समारोह के दौरान सेवानिवृत्त प्रधान पाठक बलराम राना भावुक हो उठे और अपने सेवाकाल की स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम में जिला कोषालय अधिकारी महावीर प्रसाद टंडन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

एक छोटे किसान की आत्मनिर्भरता की कहानी

मनरेगा कुएं के जल से बनी पीएम आवास की ईंटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जनपद पंचायत भैरमगढ़ की ग्राम पंचायत रानीबोदली के निवासी सोमड़ू ऑडी, महात्मा गांधी नरेगा योजना के ऐसे हितग्राही हैं, जिनकी जीवन यात्रा सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करती है।

सोमड़ू ऑडी एक छोटे किसान हैं, सीमित कृषि भूमि और सिंचाई सुविधा के अभाव में वे वर्षों तक केवल पारंपरिक खेती कर पाते थे। वर्षा पर निर्भर खेती के कारण वे एकमात्र धान की फसल तक सीमित थे, जिससे आय बहुत कम होती थी और परिवार की आवश्यकताएँ पूरी करना कठिन था।

मनरेगा से बदली किस्मत

फिर महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत उनके खेत में कुएँ का निर्माण स्वीकृत हुआ। लगभग 3 लाख रुपये की लागत से कुएँ का निर्माण पूर्ण किया गया। इस कार्य से गांव के 13 जॉब कार्डधारी परिवारों के 42 श्रमिकों को 645 मानव दिवस का रोजगार भी प्राप्त हुआ।

सिंचाई से आय के नए रास्ते

कुएँ के निर्माण के बाद सोमड़ू ऑडी के लगभग 2 एकड़ खेत में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो गई। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने धान की फसल के बाद सब्जी उत्पादन शुरू किया। इससे एक ओर उनके परिवार को पोषक हरी सब्जियाँ उपलब्ध हुईं वहीं अतिरिक्त सब्जियों के विक्रय से उन्हें लगभग 10 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई।

कुएँ के पानी से बना पक्का घर

सोमड़ू बताते हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वर्ष 2024-25 में आवास की स्वीकृति मिली। उन्होंने कुएँ के पानी का उपयोग कर घर पर ही लगभग 35 हजार ईंटों का निर्माण किया। इनमें से 17 हजार ईंटें बेचकर करीब 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की जबकि शेष ईंटों का उपयोग वे अपने प्रधानमंत्री आवास निर्माण में कर रहे हैं। इस प्रकार उनका पक्का घर अब साकार रूप ले रहा है।

आत्मनिर्भरता की मिसाल

आज सोमड़ू ऑडी एक आत्मनिर्भर किसान बन चुके हैं। मनरेगा से निर्मित कुआँ न केवल उनकी खेती और आय का आधार बना, बल्कि इससे उनके परिवार का जीवन स्तर भी बेहतर हुआ। यह सफलता की कहानी स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन हो तो वे ग्रामीण जीवन में स्थायी परिवर्तन, सम्मानजनक आजीविका और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकती हैं।

खबर संक्षेप

निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक

जगदलपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में एक सप्ताह के भीतर प्राप्त दावा एवं आपत्तियों की सूची साझा की गई तथा पुनरीक्षण कार्यक्रम के विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के दूसरे चरण के अंतर्गत 23 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों सहित आंशिक तौर पर शामिल नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र से नाम जोड़ने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हो रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा, प्रक्रियाओं तथा आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अब तक प्राप्त सभी दावा एवं आपत्तियों की सूची साझा की गई। प्राप्त सभी दावा एवं आपत्तियों की सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी, ताकि आम नागरिक सूची का अवलोकन कर सकें और यदि आवश्यक हो तो निर्धारित अवधि में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष आपत्ति दर्ज करा सकें।

नुवा बाट से हिंसा छोड़ने वाले युवाओं के जीवन में आ रहा बदलाव

चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात के सौंदर्य से अभिभूत हुए पुनर्वासित युवा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

बस्तर के घने जंगलों और बीहड़ों की जिस खामोशी में माओवादियों के भीतर कल तक सुरक्षा बलों के कदमों की आहट का खौफ गूंजता था, आज वहां जीवन का एक नया और सुकून भरा अध्याय लिखा जा रहा है। जिन जंगलों, पहाड़ों और झरनों के पास छुपकर माओवादी अपनी जिंदगी बिताते थे, खौफ के साये में वे कभी प्रकृति की इस अनुपम सुंदरता को देख नहीं सके। लेकिन अब राज्य शासन की पहल से हालात बदल रहे हैं। इसी बदलाव की बानगी तब देखने को मिली जब हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे बीजापुर के 30 पुनर्वासित युवाओं ने बस्तर के प्रसिद्ध चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात का भ्रमण किया। कभी इन्हीं जंगलों और चट्टानों की ओट में ये युवा पुलिस और सुरक्षा बलों के आने की दहशत में दुबक कर रातें काटते थे और हर पल जान का जोखिम बना रहता था। किंतु नुवा बाट (नई राह) अभियान ने उनके जीवन की दिशा बदल दी है। चित्रकोट और तीरथगढ़ भ्रमण के दौरान पुनर्वासित युवा निश्चिंत होकर बिना किसी डर के जलप्रपात की गिरती धाराओं को निहार रहे थे। उनके चेहरों पर अब सुरक्षा बलों का खौफ नहीं, बल्कि एक पर्यटक का कौतूहल और शांति दिखाई दे रही थी।

जिला प्रशासन की गई इस अनूठी पहल का मकसद इन युवाओं को न केवल मानसिक तनाव और अतीत की परछाइयों से दूर ले जाना है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाना है। बीजापुर के इन 30 युवाओं सहित कुल 60 पुनर्वासित युवा वर्तमान में नुवा बाट कार्यक्रम के तहत पुनर्वास का लाभ ले रहे हैं। ये सभी अब हथियार छोड़कर अपने हाथों में हुनर थाम रहे हैं ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके। प्रशासन द्वारा इनमें से 30 युवाओं को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से राजमिस्त्री के कार्य का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जबकि 30 युवा लाइवलीहुड कॉलेज में फूड एंड बेवरेज का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिससे वे भविष्य में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में खुद को स्थापित कर सकें। बस्तर में यह बदलाव उम्मीद की एक नई किरण है।

हथियार छोड़ हाथों में थामा हुनर

इस पूरे बदलाव को और अधिक आत्मीय बनाने तथा इन युवाओं को मुख्यधारा में सहज महसूस कराने के लिए बस्तर जिला प्रशासन ने एक संवेदनशील पहल की है। प्रशासन द्वारा नुवा बाट में प्रशिक्षण ले रहे इन सभी पुनर्वासित युवाओं को वेलकम किट प्रदान किया गया। यह किट महज एक सहायता नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि समाज ने उन्हें उनके अतीत को भुलाकर खुले दिल से अपना लिया है।

दहशत की जगह विश्वास कायम

कभी बीहड़ों के अंधेरे और दहशत भरे जीवन में रहने वाले ये युवा आज खुले आसमान के नीचे तीरथगढ़ जलप्रपात के सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं। यह सफर बताता है कि बस्तर में शांति, विश्वास और विकास की जड़ें अब गहरी होती जा रही हैं।

सुंदरकाण्ड कथा व रामेश्वर पूजन

जगदलपुर। शहर के पगारिया परिसर में माहेश्वरी समाज की ओर आयोजित श्री राम कथा में मंगलवार को संत अलका श्री ने सुंदरकाण्ड कथा और रामेश्वर पूजन किया। इसमें श्रद्धालुओं में उत्साह दिखा।

बिजनेस साइट

सुमीत बाजार की वूलन महासेल शुरू ग्राहकों को मिल रहे बंपर डिस्काउंट

रायपुर। विंटर सीजन को खास और किफायती बनाने प्रदेश की सबसे बड़ी रिटेल चेन सुमीत बाजार की ओर से वूलन महासेल की शानदार शुरुआत की गई है। इस महासेल में ग्राहकों को वूलन कपड़ों की आकर्षक और ट्रेंडी रेंज के साथ जबरदस्त ऑफर्स और बेहतरीन डील्स का लाभ मिल रहा है। सर्दी के मौसम में फैशन और जरूरत दोनों को ध्यान में रखते हुए सुमीत बाजार ने सभी आयु वर्ग के ग्राहकों के लिए विशेष कलेक्शन पेश किया है। ऑफर्स की बात करें तो चार वूलन आइटम्स की खरीदी पर 50 प्रतिशत, तीन आइटम्स पर 40 प्रतिशत और दो आइटम्स पर 30 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इन ऑफर्स पर नियम व शर्तें लागू हैं। इसके साथ ही सुमीत बाजार स्टोर्स में ईयर एंड सेल के तहत अन्य कई प्रोडक्ट्स पर भी अतिरिक्त लाभ दिए जा रहे हैं। सुमीत बाजार में विंटर सीजन को लेकर ग्राहकों की खासी भीड़ देखने को मिल रही है। यहां स्वेटर, स्वेटशर्ट, हुडीज, जैकेट्स, विंडशीटर, कार्डिगन, वूलन गर्ल्स टॉप, शॉल, स्टोल, मफलर, हैंड ग्लव्स, टोपी और थर्मल वियर सहित विंटर वियर की विस्तृत और आकर्षक रेंज उपलब्ध है। इसके अलावा साड़ी, कुर्ती, टी-शर्ट, जींस, शर्ट, ट्राउजर्स, सूटिंग-शर्टिंग, सलवार सूट के साथ-साथ गृह उपयोगी वस्तुएं, सजावट और फर्निशिंग आइटम्स की भी बड़ी रेंज ग्राहकों को मिल रही है। पुरुषों, महिलाओं, किशोरों और बच्चों के लिए लेटेस्ट फैशन कलेक्शन के साथ सुमीत बाजार इस सर्दी को स्टाइलिश और बजट फ्रेंडली बनाने में जुटा हुआ है।

अधिवक्ताओं के लिए मेडिकल इंश्योरेंस व एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की मध्य भारत के सहसंयोजक झंरना बांगर सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन राजस्थान के बालोतरा में 26 से 28 दिसंबर तक भारतीय संविधान के 75 वर्ष सामाजिक सद्भाव एवं अन्य विषयों पर सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश विभिन राज्यो न्यायाधीशगण वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों और देशभर से आए अधिवक्ताओं ने तीन दिनों तक चले राष्ट्रीय अधिवेशन में भारतीय संविधान के 75 वर्ष सामाजिक सद्भाव एवं अन्य विभिन्न विषयों विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह अधिवेशन इस दृष्टि से भी ऐतिहासिक रहा कि अधिवक्ताओं के लिए मेडिकल इंश्योरेंस एवं एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग, जिसे परिषद द्वारा पिछले राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रस्तावित किया गया था, अब सरकार द्वारा लागू किए जाने की प्रक्रिया में है। यह अधिवक्ता समाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि एवं परिषद की निरंतर संघर्षशील की भूमिका का प्रमाण है। अधिवेशन में सुप्रीम कोर्ट एवं विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, वरिष्ठ विधि विशेषतों और देशभर से आए अधिवक्ताओं ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जे. के. माहेश्वरी के साथ राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश विनीत कुमार माधुर जस्टिस संजीत पुरोहित, पूर्व न्यायाधीश डॉ. विनीत कोठारी, परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्रन डी., सुनील जैन, विनीता पाय, सुरेश मोर, मार्टिनो कार्ती, तेज कुमार मोड़, एबीएपी की मध्य भारत की छत्तीसगढ़ की सह संयोजक झरना बांगर सिंह मंचासीन रहे, एवं दिये गये विषयों पर अपना संबोधन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

अधिवेशन की शाम को कल्चरल नाइट में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इसमें चरी नृत्य, पंजाबी भांगड़ा व तलवार रास आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान पुरे भारत से आये एबीएपी के विभिन्न राज्यों के पुर्व न्यायाधीशगण एवं सैकड़ों की संख्या में एबीएपी के पदाधिकारी अधिवक्तागण उपस्थित रहे।